RNI NO - UPHIN/2022/86937

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 03 | अंक – 339 | जौनपुर मंगलवार, 29 जलाई 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

कांवड़ यात्रा: तीर्थयात्रा और नागरिक जीवन का संतुलन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी से होकर गुजरने वाली 15 दिनों की कांवड़ यात्रा पिछले हफ्ते सम्मानपूर्वक संपन्न हुई। एक हिंदुत्ववादी पार्टी शासित राज्य की वैचारिक अपेक्षाओं को पूरा करने और नागरिक प्रशासन की विवेकशीलता बनाए रखने के भारी कार्यभार को देखते हुए, रेखा गुप्ता सरकार ने संतुलन बनाए रखने में कुछ हद तक अच्छा काम किया। बड़ी चुनौती दिल्ली पुलिस के लिए थी, जिसे यह सुनिश्चित करना था कि उत्तर प्रदेश जैसे ज्यादा शहिंदू बहुलश राज्य से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में प्रवेश करने पर शोरगुल मचाने वाले कांवड़ यात्रियों को अपेक्षाकृत शशांतश रखा जाए। दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस यात्रियों के साथ चल रहे डीजे समूहों के तेज साउंड बॉक्स को नियंत्रित नहीं कर पाई, जिससे वे जहाँ भी गुजरते थे, घरों और कारों की खिड़कियों में सिहरन पैदा हो जाती थी। राजनाथ सिंह लोकसभा में कांवड़ यात्रा ने एक बार फिर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बढ़ते शहरीकरण के साथ आस्था, राजनीति, कानून प्रवर्तन और नागरिक जिम्मेदारी के जटिल ताने–बाने को उजागर किया। भारतीय कैलेंडर के अनुसार, श्रावण (जुलाई–अगस्त में पड़ने वाला) के दौरान प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा में भक्तों (कांवड़ियों या कांवड़ यात्रियों) का एक विशाल समूह हरिद्वार या गंगोत्री से गंगा से पवित्र जल लेने के लिए लंबी दूरी पैदल या गाड़ी से तय करता है, जिसे वे शिवरात्रि के दिन अपने गृह जिलों के शिव मंदिरों में चढ़ाते हैं। इस वर्ष श्रावण शिवरात्रि 25 जुलाई को थी।

इंडी अलायंस को महिलाओं के अधिकारों की चिंता नहीं : प्रदीप भंडारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए उन पर वोट बैंक की राजनीति का आरोप लगाया है। भंडारी ने कहा कि अखिलेश यादव महिलाओं के अधिकारों की बात तो करते हैं, लेकिन जब उनकी पत्नी और सपा सांसद डिंपल यादव के साथ हुए कथित अभद्र व्यवहार पर बोलने की बारी आई, तो वे चुप रहे। भंडारी ने इसे अखिलेश की वोट बैंक की मजबूरी करार दिया। सोमवार को आईएएनएस से बातचीत के दौरान भाजपा प्रवक्ता ने समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव और इंडी गठबंधन पर मौलाना साजिद रशीदी की सपा सांसद डिंपल यादव के खिलाफ की गई आपत्तिजनक टिप्पणी पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया है। भंडारी ने कहा कि अखिलेश यादव, जो महिलाओं के अधिकारों की बात करते हैं, अपनी पत्नी डिंपल यादव के खिलाफ अभद्र टिप्पणी पर चुप हैं, जो उनकी वोट बैंक की विवशता दिखाता है। समर्थन उन्होंने इसे सपा और इंडी गठबंधन की महिला विरोधी मानसिकता का सबूत बताया।

सीएम योगी ने कमिश्नर आइजी व राज्यमंत्री ने मौका मुआयना कर लिया जायजा

बाराबंकी, (एजेंसी)। यूपी के बाराबंकी में अवसानेश्वर महादेव मंदिर में रविवार की आधी रात टिनशेड के पोल में करंट आने से भगदड़ मचने से दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई। जबकि, 38 घायल हो गए हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना का संज्ञान लेकर जांच रिपोर्ट तलब की है। इसके बाद अयोध्या मंडल के कमिश्नर गौरव दयाल और आईजी प्रवीण कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने डीएम–एसपी के साथ घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी ली। उन्होंने घटना के समय मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों से बात की। मंदिर परिसर के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। राज्यमंत्री सतीश शर्मा ने भी घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने अस्पताल में घायलों से मुलाकात करके उनका हाल जाना। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह अत्यंत दुखद घटना है। मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता दने का आश्वासन दिया। घायलों का समुचित इलाज करने के निर्देश दिए। प्रशासन की ओर से मौके की निगरानी बढ़ा दी गई है। व्यवस्थाओं की पुनः समीक्षा की जा रही है। सावन के तीसरे सोमवार को भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए मंदिर में आधी रात से ही भीड़ लगी थी। गोमती नदी में स्नान करके श्रद्धालु 12 बजे से ही मंदिर की तरफ बढ़ते गए और लाइन लगती गई। मंदिर परिसर और बाहर का क्षेत्र श्रद्धालुओं की भीड़ से खचाखच भर गया। आधी रात 1.30 बजे मंदिर के कपाट खुले तो श्रद्धालु बम बम भोले के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ने लगे।

काशी को 2255 करोड़ की सौगात देंगे पीएम, जनता को होगी समर्पित फोरलेन रोड

वाराणसी, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो अगस्त को काशी की जनता को 2255 करोड़ की लागत वाली 54 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे। 16 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और 38 का शिलान्यास करेंगे। इन परियोजनाओं का ब्योरा प्रधानमंत्री कार्यालय को भेज दिया गया है। सबसे बड़ी परियोजना चांदपुर से भदोही को जोड़ने वाली फोरलेन सड़क है जो 266 करोड़ की लागत से बनी है। सड़क की लंबाई 35 किमी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो अगस्त को 51वें दौरे पर काशी आ रहे हैं। वह सेवापुरी में जनसभा करेंगे। साथ ही 1638 करोड़ की लागत वाली 38 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करेंगे। होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास होगा जो 55 करोड़ से ज्यादा की लागत से बनने जा रहा है। एलटी कॉलेज में बनने वाली राजकीय लाइब्रेरी और बिजली के

अंडरग्राउंड केबल से जुड़े कार्यों का शिलान्यास भी होगा। प्रधानमंत्री 637 करोड़ की लागत वाली 16 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। चांदपुर से लोहता होकर भदोही को जोड़ने वाली फोरलेन सड़क जनता को समर्पित करेंगे। सारनाथ स्थित केंद्रीय तिब्बती उच्च शिक्षा संस्थान परिसर में बने सोवा रिग्पा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल का लोकार्पण भी होगा। इसका शिलान्यास भी पीएम मोदी ने ही किया था। 50 करोड़ की लागत से बने मेडिकल कॉलेज में 45 बेड भी रहेंगे। उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दो अगस्त के दौरे की तैयारियों को ध्यान में रखकर रविवार को पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल और जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने जनसभा स्थल सेवापुरी बनौली का निरीक्षण किया। सभा स्थल के भीतर और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावी योजना के लिए दिशा–निर्देश दिए।

धनखड़ के इस्तीफे पर भाजपा को आश्चर्य नहीं हुआ

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जगदीप धनखड़ के इस्तीफा देने से एक दिन पहले, 20 जुलाई को, लुटियंस दिल्ली स्थित उनके आधिकारिक आवास कृ आलीशान उपराष्ट्रपति एन्क्लेव कृ में आशा भरी ऊर्जा का संचार हो रहा था। उनकी पत्नी सुदेश धनखड़ 69 वर्ष की हो चुकी थीं और उपराष्ट्रपति और राज्यसभा सचिवालय के कर्मचारियों के लिए दोपहर के भोजन का आयोजन कर रही थीं। अगले कुछ घंटों में ही यह खुशी तनाव में बदल गई। 21 जुलाई की रात 9.29 बजे तक, राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने भारत के 14वें उपराष्ट्रपति के पद से इस्तीफा दे दिया, जिससे राजनीति जगत और मीडिया दोनों ही हैरान रह गए। केवल एक ही पार्टी इससे अचंभित नहीं हुई

कृ सत्तारूढ़ भाजपा। उसके नेता शांत और नियंत्रण में दिखाई दिए, मानो यह चौंकाने वाला इस्तीफा नतीजों से पहले के घंटों में पार्टी द्वारा की गई राजनीतिक चालों का एक अपेक्षित परिणाम था। उपराष्ट्रपति को पद छोड़ने के लिए मजबूर किया गया था, यह स्पष्ट था। नकदी बरामदगी विवाद में फंसे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने के लिए पूरी तरह से विपक्ष समर्थित प्रस्ताव को राज्यसभा में स्वीकार किए जाने के बाद उनका जाना तय लग रहा था। उच्च न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर सवाल उठाने में विपक्ष को आगे आने देने के मूड में न होने के कारण, एक शर्मिंदा सरकार, जो इस मुद्दे पर अपने द्विदलीय प्रस्ताव को लोकसभा में पेश करने की उम्मीद कर रही थी, ने ऐसी स्थिति पैदा कर दी कि धनखड़ का पद पर बने रहना असंभव हो गया। भाजपा सांसदों द्वारा एक अनाम प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करने की जोरदार चर्चा थी, जिसे कुछ लोगों ने उपराष्ट्रपति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के रूप में व्याख्यायित किया, जिन्हें पिछले दिसंबर में विपक्ष की ओर से इसी तरह के प्रस्ताव का सामना करना पड़ा था (अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने वाले एकमात्र उपराष्ट्रपति)। अब चले गए धनखड़ अपने पीछे कई अनुत्तरित प्रश्न छोड़ गए हैं। अफवाह यह है कि – यह बहुत पहले से ही आना था। पीछे मुड़कर देखें तो, सरकार और धनखड़ के संबंधों में धीरे–धीरे आ रही खटास का सबसे बड़ा झटका अप्रैल में लगा जब पूर्व उपराष्ट्रपति को अपने अमेरिकी समकक्ष जेडी वेंस से मिलने का मौका नहीं मिला। वीपी एन्क्लेव में मुलाकातें और धनखड़ की विदेश यात्राएँ लंबे समय से कम कर दी गई थीं। सूत्रों का कहना है कि पूर्व उपराष्ट्रपति प्रोटोकॉल को लेकर बेहद सख्त थे और उन्होंने इसे जगजाहिर भी किया था। मई में उन्होंने सार्वजनिक रूप से खुद को ष्प्रोटोकॉल की चूक का शिकारष बताया था, जिससे तनाव का खुला संकेत देकर सरकार नाराज हो गई थी। हाल ही में हिमाचल की अपनी यात्रा के दौरान, उन्होंने सार्वजनिक रूप से कार्यक्रम स्थल की दीवारों पर राष्ट्रपति

वैसे ही पाकिस्तान के आतंकी कैंपों में भी आग लग गई : करेन रिजिजू

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को कहा कि जिस तरह लक्ष्मण रेखा पार करने के बाद रावण की लंका जल गई थी, उसी तरह पाकिस्तान ने जब भारत द्वारा खींची गई रेखा पार की, तो आतंकवादी शिविरों में भी आग लग गई। पाकिस्तानी आतंकवादी शिविरों पर भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर अभियान पर आज लोकसभा में विशेष चर्चा होगी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे। । संसद चर्चा पर सीपीआई सांसद पी. संदोष कुमार इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दावा कर रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु युद्ध टाल दिया है और विपक्षी दल इस मुद्दे पर केंद्र सरकार को

घेरने के लिए तैयार हैं। इस बीच, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए ऑपरेशन सिंधु की तुलना रामायण में लंका दहन से की। ऑपरेशन सिंधु पर आज चर्चा शुरू होगी। उन्होंने लिखा, ष्जब रावण ने लक्ष्मण रेखा पार की, तो लंका में आग लग गई।

मुख्यमंत्री रेखा ने झुग्गी बस्तियों के पुन विंकास के लिए 700 करोड़ रुपये आवंटित किए

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को झुग्गी बस्तियों के पुनर्विकास के लिए 700 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की और कहा कि अगर किसी भी कारण से झुग्गी हटाई जाती है, तो कोई भी पात्र झुग्गी निवासी बिना छत के नहीं रहेगा। उन्होंने आप नेताओं पर झुग्गीवासियों को गुमराह करने और धमकाने का भी आरोप लगाया। मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी शालीमार बाग में रेलवे क्रॉसिंग के पास फाटक वाली झुग्गी के दौरे के दौरान की, जहाँ रेलवे विस्तार परियोजना के कारण झुग्गीवासियों को बेदखल किया जा रहा है। गुप्ता ने निवासियों को आश्वासन दिया कि सरकार उचित पुनर्वास सुनिश्चित करने के लिए रेलवे के साथ बातचीत कर रही है। उन्होंने कहा, दिल्ली सरकार बिना किसी कारण के झुग्गियों को हटाने के पक्ष में नहीं है। अगर विकास परियोजनाओं या किसी अन्य वैध कारणों से झुग्गियों को हटाना पड़ता है, तो सरकार पात्र निवासियों का उचित पुनर्वास सुनिश्चित करेगी ताकि वे भी दिल्ली की विकास गाथा का हिस्सा बन सकें। कांग्रेस सांसद विजय वसंत ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा पर कहा यह झुग्गी आजादपुर रेलवे स्टेशन के विस्तार के लिए निर्धारित भूमि पर स्थित है। गुप्ता ने बताया कि 2020 में इलाके का सर्वेक्षण तो हुआ था,।

पाकिस्तान को क्लीन चिट देने की कोशिश : चिदंबरम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। संसद में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बहस से ठीक पहले कांग्रेस नेता और पूर्व गृह मंत्री पी. चिदंबरम के एक बयान ने सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। चिदंबरम ने एक इंटरव्यू में पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सवाल उठाए कि क्या हमले में शामिल आतंकी वाकई पाकिस्तान से आए थे? क्या इस बात के सबूत हैं? उन्होंने यह भी कहा कि हमले में घरेलू आतंकी भी हो सकते हैं। इस बयान के बाद भाजपा ने कांग्रेस पर जोरदार हमला बोला और आरोप लगाया कि वह हमेशा दुश्मनों की तरफदारी करती है और पाकिस्तान को क्लीन चिट देती है। पी. चिदंबरम ने एक इंटरव्यू में कहा कि सरकार यह साफ नहीं कर रही कि नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने

हमले के बाद क्या काम किया है। इसी दौरान चिदंबरम ने ये भी कहा कि क्या उन्होंने(सरकार) आतंकियों की पहचान की है? क्या यह पक्का है कि वे पाकिस्तान से ही आए थे? इसके साथ ही चिदंबरम ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुए नुकसान छिपाने का भी आरोप लगाया। चिदंबरम ने कहा कि जंग में दोनों पक्षों को नुकसान होता है। ब्रिटेन ने वर्ल्ड वॉर में रोजाना अपने नुकसान बताए। भारत को भी ऐसा करना चाहिए। सरकार सब कुछ छुपा रही है। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह संसद में ऑपरेशन सिंदूर पर नहीं बोल रहे हैं। उन्होंने पूछा कि जब पीएम मोदी देश को संबोधित कर सकते हैं, रैलियों में भाषण दे सकते हैं, तो संसद में क्यों नहीं बोल रहे? चिदंबरम ने यह भी आरोप लगाया कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा खुद भारत ने नहीं बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की थी। क्या सरकार इस पर चर्चा से घबरा रही है? भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि चिदंबरम वही नेता हैं जिन्होंने भगवा आतंक का झूठ फैलाया। अब फिर पाकिस्तान को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस हर बार पाकिस्तान समर्थित आतंक पर सवाल उठाने की जगह उसे बचाने में जुट जाती है। मालवीय ने आगे कहा कि जब भी भारत पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करता है, कांग्रेस के नेता इस्लामाबाद के बचाव में खड़े नजर आते हैं।

पीएम उज्ज्वला योजना से 10.33 करोड़ महिलाओं का जीवन हुआ आसान : हरदीप पुरी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में भारत के एनर्जी मिक्स में तेजी से बदलाव हो रहा है और स्वच्छ ईंधन जैसे एलपीजी को तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे महिलाओं के जीवन स्तर में भी सुधार हो रहा है और उनके सशक्तिकरण में भी मदद मिली है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत एलपीजी कनेक्शन के माध्यम से 10.33 करोड़ महिलाओं को सम्मान और सुगमता प्रदान की गई है, यह भारत की स्वच्छ ऊर्जा यात्रा में एक ऐतिहासिक पहल है। समर्थन उन्होंने आगे कहा कि मौजूदा समय में देश में 1.51 करोड़ पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) कनेक्शन हैं। सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) नेटवर्क देश

की 96 प्रतिशत जमीन और 99 प्रतिशत जनसंख्या को कवर करता है। इससे देश में एनर्जी की पहुंच आसान हुई है। केंद्रीय मंत्री के मुताबिक, महिलाएं एनर्जी इंडस्ट्री में नेतृत्वकारी पदों पर कार्य और प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। वहीं, बायोगैस प्लांट्स, रिटेल फ्यूल स्टोर्स और एलपीजी वितरण में भी योगदान दे रही हैं। सरकार ने ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के चल रहे प्रयास के तहत वित्त वर्ष 2024–2025 में 42,800 टन कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) खरीदी गई। आज, भारतीय महिला केवल लाभार्थी नहीं है। वह देश के ऊर्जा भविष्य को आकार देने में अग्रणी है। लाखों लोगों को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने के अलावा, ऊर्जा तक पहुंच के लिए केंद्र सरकार की पहल ने खासकर महिलाओं के लिए सामाजिक और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा दिया है। इससे पहले, केंद्रीय ने कहा था कि भारत तेल आत्मनिर्भरता की दिशा में स्थिर और आत्मविश्वास से भरे कदम उठा रहा है और प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, देश कदम दर कदम अपने ऊर्जा भविष्य को सुरक्षित कर रहा है। एक बार भी नहीं पूछा कि दुश्मन के हमने कितने विमान मार गिराएरू राजनाथ सिंह पुरी के अनुसार, 99 प्रतिशत ष्नो–गोष क्षेत्रों से रोक को हटा दिया गया है और 10 लाख वर्ग किलोमीटर का अपतटीय क्षेत्र अब तेल क्षेत्र अन्वेषण के लिए खुला है। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों ऊर्जा कंपनियों ने पहले ही ओपन एकरेज लाइसेंसिंग प्रोग्राम (ओएएलपी) के तहत उपलब्ध तेल और गैस ब्लॉकों में रुचि व्यक्त की है।

कांग्रेस विधायकों के साथ चार दिवसीय बैठक करेंगे सीएम सिद्धारमैया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। , (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया 29 जुलाई से कांग्रेस विधायकों के साथ चार दिवसीय मैराथन बैठकों की श्रृंखला शुरू करेंगे। ये बैठकें एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा सत्र के तुरंत बाद हो रही हैं, जिसके बाद मुख्यमंत्री ने शिकायतों को सुनने और विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए जिलेवार एक कड़ा कार्यक्रम तैयार किया है। ये बैठकें अगले चार दिनों तक चलेंगी, जिसमें सिद्धारमैया विधायकों की संख्या के आधार पर प्रत्येक जिले के लिए 30 मिनट से एक घंटे तक का समय आवंटित करेंगे। सिद्धारमैया छह जिलों, मैसूर, चामराजनगर, तुमकुरु, कोडागु, हासन और दक्षिण कन्नड़ के विधायकों और उनके संबंधित जिला प्रभारी मंत्रियों से मुलाकात करेंगे। सिद्धारमैया के गृह जिले मैसूर के विधायकों के साथ बैठकें शाम 5 बजे शुरू होंगी। इस सत्र में मैसूर

जिला प्रभारी मंत्री एचसी महादेवप्पा, पशुपालन एवं रेशम उत्पादन मंत्री के वेंकटेश, और विधायक रविशंकर डी, अनिल चिक्कमडु, दर्शन ध्रुवनारायण, के हरीश गौड़ा और तनवीर सैत शामिल होंगे। इसके बाद, शाम 5रू00 बजे से 5रू30 बजे तक, मुख्यमंत्री चामराजनगर के विधायकों, जिनमें एआर कृष्णमूर्ति, सी पुट्टारंगशेट्टी और एचएम गणेश प्रसाद शामिल हैं। साथ–साथ जिला प्रभारी मंत्री के वेंकटेश से भी मिलेंगे। तुमकुरु सत्र शाम 5रू30 बजे से 6रू45 बजे तक निर्धारित है। इसमें गृह मंत्री और तुमकुरु जिला प्रभारी मंत्री जी परमेश्वर, सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना और विधायक टीबी जयचंद्र, के शदाक्षरी, एचडी रंगनाथ, एसआर श्रीनिवास (वासु) और एचवी वेंकटेश शामिल होंगे। दिन का अंतिम सत्र, शाम 6.45 बजे से शाम 7.45 बजे तक, कोडागु, हसन और दक्षिण कन्नड़ जिलों को कवर करेगा।

संपादकीय

आत्मघात की जवाबदेही

निस्संदेह, किसी छात्र की आत्महत्या हमारी शिक्षा व्यवस्था की संस्थागत विफलता ही है। यदि शिक्षा व्यवस्था सतर्क–संवेदनशील रहे तो इन संभावनाओं को असमय काल–कवलित होने से बचा सकते हैं। आंध्रप्रदेश की एक 17 वर्षीय नीट छात्रा की संदिग्ध मौत के मामले में सुनवाई करते हुए, सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने छात्रों में आत्महत्या के बढ़ते मामलों पर मार्गदर्शक टिप्पणियां की हैं। छात्रों का जीवन बचाने हेतु इस सुप्रीम गाइडलाइंस में पीठ ने देशभर के स्कूल, कालेजों और कोचिंग संस्थानों के लिये गाइडलाइंस जारी की। दरअसल, न्यायाधीश वर्ष 2022 के लिए एनसीआरबी की उस रिपोर्ट से व्यथित थे, जिसमें दर्शाया गया कि इस साल आत्महत्या करने वाले 1,70,924 लोगों में 13,044 छात्र भी शामिल थे। कोर्ट ने कहा कि शिक्षा का मकसद जानकारी देना ही नहीं है, इसका उद्देश्य जीवन जीने की कला सिखाना भी है। निस्संदेह, शिक्षा का मकसद छात्रों का बौद्धिक, भावनात्मक, नैतिक तथा आध्यात्मिक उन्नति होना चाहिए। कोर्ट का मानना था कि शिक्षण संस्थाएं छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को अपनी प्राथमिकताएं बनाएं। यह भी कि मानसिक स्वास्थ्य, अनुच्छेद 21 के तहत मिले जीवन के अधिकार का अभिन्न अंग है। पीठ ने देश के सभी शिक्षण संस्थानों के लिये पंद्रह दिशा–निर्देश तय किए हैं, जो इस बाबत कानून बनाने तक ये गाइडलाइंस बाध्यकारी होंगी। निरूसंदेह, सुप्रीमकोर्ट पीठ के ये दिशा–निर्देश उपचारक साबित हो सकते हैं। इसमें प्रत्येक शिक्षण संस्थान को मानसिक स्वास्थ्य नीति बनाने और विशेषज्ञ नियुक्त करने के निर्देश हैं। राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम नीति व कार्यक्रमों को इस नीति में शामिल करना होगा। साथ ही जहां सौ से अधिक छात्र हों, वहां मनोवैज्ञानिक व काउंसलर नियुक्त करने होंगे। छात्रों में हीन भावना न आए, इसलिये कोचिंग संस्थान शैक्षिक प्रदर्शन के आधार पर कोई बैच न बनाएं। शिक्षकों व स्टाफ को वर्ष में दो बार छात्रों में आत्महत्या के संकेत पकड़ने व मानसिक स्वास्थ्य के बाबत प्रशिक्षण देना अनिवार्य होगा। सुनिश्चित हो कि समाज के कमजोर वर्ग के छात्रों व शारीरिक अपूर्णता से जूझ रहे छात्रों के साथ किसी तरह का भेदभाव न होने पाए। शिक्षण संस्थान व कोचिंग के परिसर में रैगिंग, यौन उत्पीड़न तथा किसी तरह के भेदभाव से निपटने के लिये समिति बने। साथ ही पीड़ितों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा अभिभावकों को सचेत किया जाए कि वे छात्रों पर अंकों का दबाव न बनाएं और मानसिक तनाव के प्रति संवेदनशील रहें। संस्थान सालाना आधार पर मानसिक स्वास्थ्य संबंधी कार्रवाई की रिपोर्ट हर साल यूजीसी को दें। इसके साथ ही खेल, कला व व्यक्तित्व विकास पाठ्यक्रम का हिस्सा हो। सतर्कता हेतु हॉस्टलों को सुरक्षित बनाने तथा छत, बालकनी, पंखे जैसे स्थानों पर सेफ्टी डिवाइस लगाने के निर्देश दिए गए हैं। निस्संदेह, इन निर्देशों के अनुपालन से कई अनमोल जिंदगियां बचायी जा सकती हैं।

आंतरिक ध्वनि चिकित्सा है गुनगुनाना

विजय

जब बच्चा छोटा होता है तो मां बच्चे को लोरी गाकर सुनाती है। लोरी गाते–गाते वह कई बार गुनगुनाती भी है। यह गुनगुनाना न केवल मां–बच्चे को मानसिक शांति प्रदान करता है, अपितु उनके आपसी बंधन को भी मजबूत करता है। क्या आपने काम करते समय कोई गीत या ध्वनि गुनगुनाई है। अवश्य गुनगुनाई होगी। आपको यह पता होना चाहिए कि गुनगुनाना मात्र

छोटी–सी बात नहीं है, अपितु इस गुनगुनाहट में बहुत सारे जीवन के सकारात्मक सार छिपे हुए हैं। यह गुनगुनाहट 'आंतरिक ध्वनि चिकित्सा' है जो व्यक्ति के जीवन के टूटे–फूटे तारों की मरम्मत करती है और उनके अंदर एक नई ऊर्जा एवं ध्वनि का संचार करती है। नादब्रह्म, ध्यान में गुंजार ऊर्जा का असीम स्रोत है। इस संदर्भ में ओशो कहते हैं कि, 'हां, यह ऊर्जा का एक बड़ा स्रोत है। हम अपने जीवन के स्रोतों को नहीं जानते और यह नहीं जानते कि उन स्रोतों से कैसे जुड़ें?' शोध बताते हैं कि 'भंवरे की तरह गुनगुनाना यानी कि हमिंग करने से न केवल तनाव कम होता है, अपितु इससे मूड भी सकारात्मक होता है। शरीर के अंदर से विषैले तत्व बाहर निकलते हैं और पेट संबंधी समस्याएं भी दूर होती हैं। स्वीडिश वैज्ञानिकों ने भी अपने एक शोध में यह पाया कि 'गुनगुनाने से मस्तिष्क में ऑक्सीजन की मात्रा में सुधार होता है।' जब हमारा तन किसी ध्वनि को मन से गुनगुनाता है तो तन–मन का कंपन एक तालमेल में आ जाता है और उनका संघर्ष खत्म हो जाता है। इस संघर्ष के खत्म होने से ऊर्जा का ह्रास होने से बच जाता है। मन को शांति का अहसास होता है। गुनगुनाना हमारे मस्तिष्क की वेगस तंत्रिका को उत्तेजित करता है, जो पैरासिम्पेथेटिक सिस्टम से जुड़ी हुई होती है। इससे तनाव कम होता है और मानसिक स्पष्टता बढ़ जाती है। इससे सेरोटोनिन और डोपामाइन जैसे लाभकारी न्यूरो हार्मोंस का रिसाव बढ़ता है। ये दोनों ही हॉर्मोन खुशी उत्पन्न करने वाले माने जाते हैं। इनकी उत्पत्ति से व्यक्ति को खुशी एवं सुख का अनुभव होता है। गुनगुनाना संगीत का ही एक भाग है। भारतीय संगीत और इसके रागों में रोगों को दूर करने की अद्भुत शक्ति होती है। प्राचीन काल में राजा–महाराजा जब युद्ध से लौट कर आते थे तो वे तन–मन से शिथिल और क्लान्त रहते थे। ऐसे में वे संगीतकारों को राजदरबार में बुलाकर उनसे राग सुना करते थे। कई बार तो वे गायक के साथ–साथ गुनगुनाते भी थे। इस गुनगुनाहट से उनकी थकान, चिंता सब गायब हो जाती थी तो और वे फिर से तरोताजा हो जाते थे। अपने अंदर ऊर्जा एवं स्फूर्ति का संचार कर वे राजकाज संभालते थे और गुनगुनाते हुए प्रजा के दुख दूर करते थे। अकबर के दरबार के नवरत्नों में से एक तानसेन को संगीत में उच्च कोटि की सिद्धि प्राप्त थी। यह भी किंवदंती सुनने को मिलती है कि जब वे राग दीपक गाते थे तो उसकी गर्मी से दीपक स्वयं जल उठते थे। इसी तरह मेघ मल्हार गाने से झमाझम बारिश होने लगती थी। इससे ही यह स्पष्ट हो जाता है कि संगीत और गुनगुनाहट में असीम शक्ति है। इस शक्ति से मनुष्य तो क्या पृथ्वी और प्रकृति तक झूमने लगते हैं। मनोचिकित्सक मानते हैं कि रागों में व्यक्ति के तन–मन के रोगों को दूर की जादुई शक्ति छिपी है। संगीत और गुनगुनाहट को चिकित्सा प्रणाली में शामिल कर रोगियों को ठीक किया जाता है। ऐसा कहा जाता है कि तोड़ी, भूपाली, अहीर भैरव राग सर्दी–जुकाम, सिरदर्द और उच्च रक्तचाप से राहत देते हैं। शिवरंजनी राग सुनने से याददाश्त तेज होती है और स्मृति लोप की समस्या दूर होती है। राग भैरवी सर्दी, कफ और दांत दर्द से राहत देता है। चंद्रकौंस राग हृदय रोग और मधुमेह के लिए उपचारदायक है। राग दरबारी तनाव दूर करता है। राग बिहाग और बहार गहरी मधुर नींद के लिए लाभदायक है। जब बच्चा छोटा होता है तो मां बच्चे को लोरी गाकर सुनाती है। लोरी गाते–गाते वह कई बार गुनगुनाती भी है। यह गुनगुनाना न केवल मां–बच्चे को मानसिक शांति प्रदान करता है, अपितु उनके आपसी बंधन को भी मजबूत करता है। गायकों का मानना था कि गुनगुनाहट न केवल उनके संगीत को प्रबल करती है।

संघर्ष की डगर पर डर–शर्म की टूटती बाधाएं

मोहन

महिलाओं के खिलाफ बढ़ते यौन अपराधों के आंकड़े चिंताजनक हैं। साल 2012 में निर्भया कांड के बाद कई सकारात्मक कदमों के बावजूद इस दिशा में काम अधूरा है। हाल की कई घटनाओं में यह उजागर भी हुआ। लड़ाई नियंत्रण वाली सोच और सहमति के बीच है। भारत की बेटियां दशकों से समानता के लिए लड़ रही हैं। वर्णिका कुंडू, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट जैसी महिलाएं लंबी लड़ाई के लिए तैयार हैं। पहला, ओडिशा के बालासोर में एक युवा कॉलेज छात्रा ने आत्महत्या कर ली, वह अपने प्रोफेसर द्वारा 'संबंध' बनाने के दबावों का विरोध कर रही थी। दूसरा, वायरल हुई एक वीडियो में एक ट्रक पर भगवा लहंगा–चोली पहनकर नाचती दो महिलाओं द्वारा कांवड़ियों का मनोरंजन करने वाला दृश्य, जो बॉलीवुड की वास्तविक जीवन में नकल का बिल्कुल सही उदाहरण है। तीसरी, सेंसर बोर्ड द्वारा सुपरमैन और उसकी प्रेमिका लोइस लेन के बीच 33 सेकंड लंबे चुंबन दृश्य को काट देना, क्योंकि उसे लगता है कि यह भारतीय दर्शकों के लिहाज से 'अत्यधिक कामुक' है। और चौथा दृश्य रहा, हरियाणा भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद सुभाष बराला के बेटे विकास को सहायक महाधि ावक्ता नियुक्त किया जाना, इस तथ्य के बावजूद कि उस पर 2017 में, चंडीगढ़ में, एक युवती वर्णिका कुंडू का पीछा करने और अपहरण के प्रयास का आरोप है। तब वह पांच महीने जेल में भी रहा था। यह आपराधिक मामला है। आठ साल हो गए, लेकिन मुकदमा अभी भी चला ही जा रहा। शायद चंडीगढ़ में न्याय का पहिया बहुत धीरे घूमता है। शायद हरियाणा के बारे में कुछ है। साथ ही, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, दिल्ली और देश के बाकी हिस्सों में भी, जहां महिलाओं के खिलाफ यौन अपराध हर साल बढ़ रहे हैं। हम में से जिनकी याद्दाश्त ठीक है, उन्हें दिसंबर 2012 में दिल्ली में एक लड़की के साथ हुआ सामूहिक बलात्कार याद होगा, जिसे हम शनिर्भयाश के नाम से जानते हैं – हालांकि असली नाम कुछ ओर था – एक ऐसी लड़की जो आलोक और साहस दोनों से परिपूर्ण थी दृ यह घटना उस लड़ाई में महत्वपूर्ण मोड़ रही, जो भारत की बेटियां दशकों से समानता के लिए लड़ती आई हैं। प्रधानमंत्री मोदी को उस समय भान था कि दिल्ली गैंगरेप कांड कांग्रेस को 2014 के आम चुनाव में देशभर में और फिर अगले साल दिल्ली विध ाानसभा चुनाव में मिली हार का बड़ा कारण रहा। तभी मोदी ने श्बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओश का ऐसा नारा दिया, जो पूरे देश में गूंज उठा। उन्होंने महिलाओं को सरकारी योजनाओं के पहले लाभार्थियों के रूप में, सबसे आगे रखा, उन्हें एक वोट बैंक और यहां तक कि कोटा में तब्दील कर दिया – भविष्य में किसी समय 33 प्रतिशत महिला सांसद चुने जाने की उम्मीद है, हालांकि यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं कि कब। फिर भी, यह एक प्रण है और कोई भी इससे पीछे नहीं हट सकता। प्रध ाानमंत्री के रूप में मोदी के तीसरे कार्यकाल में, महिलाओं की लड़ाई अभी भी हर दिन जारी है। साल 2012 में, राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार उस साल 25000 बलात्कार के मामले दर्ज हुए थे। वहीं 2016 में 36000 संख्या के साथ मामले चरम पर थे। साल 2022 में, जिस बार के आंकड़े अंतिम बार उपलब्ध हैं, बलात्कार के 31000 केस दर्ज थे। 2018 में, वर्णिका कुंडू द्वारा चंडीगढ़ के एक थाने में विकास बराला के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाने के एक साल बाद, हर 15 मिनट में एक बलात्कार की रिपोर्ट दर्ज हुई। आंकड़ों में राजनेताओं द्वारा खुद को दोष–मुक्त रखना भी अंतर्निहित है। यौन उत्पीड़न या यौन उत्पीड़न के प्रयास के आरोपियों की सूची में विकास बराला का नाम नवीनतम है। अब तक की इस सूची में पूर्व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह, कांग्रेस विध ाायक विनय कुलकर्णी, फिलहाल निलंबित पूर्व जनता दल–एस सांसद प्रज्वल रेवन्ना, पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सेंगर व कई अन्य नाम शामिल हैं। जिस एक कारण से शायद राजनेताओं को लगता है कि वे बच निकलेंगे, वह है कार्यस्थल पर महिला यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम का पंजीकृत राजनीतिक दलों पर लागू नहीं होना – बीते शुक्रवार ही सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है, जिसमें कहा गया कि इनपर भी यह कानून समान रूप से लागू होना चाहिए। और फिर, सामाजिक परिदृ श्य में 2012 के दिल्ली गैंगरेप कांड के बाद, काम अभी भी अधूरा है – इस माह की शुरुआत में बालासोर में छात्रा की आत्महत्या से हुई बेहद दुखद मौत, जब वह अपने प्रिंसिपल को कथित छेड़छाड़ से निजात दिलाने की गुहार लगाती रही – लेकिन उसने कुछ नहीं किया – इसके बाद अब विकास बराला की नियुक्ति पर वर्णिका कुंडू का साहसिक ब्यान आया है। वर्णिका ने एक अखबार को बताया : 'किसी को सार्वजनिक पद पर नियुक्त करना महज एक राजनीतिक निर्णय नहीं – यह मूल्यों और मानकों का प्रतिबिंब है, मैं न्याय पाने के लिए लड़ने को तैयार हूं। किसी को तो उन मूक महिलाओं के लिए खड़ा होना ही होगा, जिनके पास कोई ताकत नहीं है'। वर्णिका की कहानी को संक्षेप में बताएं तो, अगस्त 2017 की एक रात वह घर लौट रही थी और उसने पाया कि एक कार, जिसमें दो व्यक्ति विकास बराला और उसका दोस्त आशीष सवार थे, उसका पीछा कर रही है। उनकी हरकतों ने उसे गली में जाने को मजबूर किया, जहां पर उसका रास्ता रोकने की कोशिश की गई। उन्होंने उसको पकड़कर गाड़ी में डालने की कोशिश की। तब उसने उनके खिलाफ नजदीकी पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया था।

.... विविध ....

बच्चों का दोस्त बनने के लिए पेरेंट्स अपनाएं ये 7 तरीके, रिश्ता बना रहेगा मजबूत

माता–पिता बच्चे को जन्म देने के साथ–साथ उनके पहले शिक्षक और मार्गदर्शक भी होते हैं। बच्चे बोलना, चलना, और सोचने का तरीका सबसे पहले अपने पेरेंट्स से ही सीखते हैं। लेकिन जैसे–जैसे बच्चे बड़े होते हैं, वे कई बार माता–पिता से बातें छिपाने लगते हैं, जिससे दोनों के बीच एक भावनात्मक दूरी आ जाती है। इसलिए जरूरी है कि माता–पिता बच्चों से एक दोस्त की तरह व्यवहार करें, जिससे बच्चे खुलकर अपनी बातें शेयर करें और किसी भी परेशानी में सबसे पहले अपने पेरेंट्स की ही सलाह लें। आइए जानें कैसे आप अपने बच्चे के साथ दोस्ताना रिश्ता बना सकते हैं।

बच्चों की भावनाओं को समझें, सिर्फ आदेश न दें

अक्सर पेरेंट्स बच्चों को केवल आदेश देने या गलती पर डांटने की आदत डाल लेते हैं। लेकिन यह तरीका बच्चे को आपसे दूर कर सकता है। उदाहरण के लिए, अगर किसी परीक्षा में बच्चे के नंबर कम आए हैं तो उस पर गुस्सा करने की बजाय उसकी बात को सुनें। उसके पीछे की वजह समझेंकृक्या वह किसी तनाव में था, क्या उसे पढ़ाई समझ में नहीं आ रही थी? जब बच्चे को यह एहसास होगा कि आप उसे डांटने के बजाय समझना चाहते हैं, तो वह खुद ही आपसे अपनी बातें शेयर करने लगेगा।

बच्चों के साथ समय बिताना बहुत जरूरी है

आज के व्यस्त जीवन में माता–पिता के पास अपने बच्चों के लिए समय निकालना मुश्किल हो गया है। लेकिन बच्चों की जिंदगी में आपकी मौजूदगी बहुत मायने रखती है। आप बच्चों के साथ उनकी पसंद की एक्टिविटीज करेंकृजैसे उनके साथ वीडियो गेम खेलना, मूवी देखना, शाम की वॉक पर जाना, या शॉपिंग पर ले जाना। इससे आप दोनों का रिश्ता मजबूत होता है और बच्चे को भी ये महसूस होता है कि आप उसके साथ समय बिताना पसंद करते हैं।

बच्चों की राय को अहमियत दें

बच्चों की भी अपनी सोच और नजरिया होता है। अगर आप उन्हें हर समय अपनी बात थोपते हैं, तो वे खुद के फैसले लेने से डरने लगेंगे। जैसे अगर उन्हें स्कूल में कोई विषय चुनना है, तो उनकी राय जरूर पूछें। इससे वे आत्मनिर्भर बनेंगे और उन्हें अपनी बात रखने का साहस मिलेगा। जब आप उनकी राय को महत्व देंगे, तो वह भी आपको गंभीरता से लेना सीखेंगे।

सजा देने के बजाय समझाएं

बच्चे गलतियां करते हैं, यह स्वाभाविक है। लेकिन हर गलती पर डांटना या सजा देना उन्हें डरपोक बना सकता है। इससे वे अपनी गलतियों को छिपाने लगते हैं। इसलिए जब भी बच्चा कोई गलती करे, तो उसे प्यार से समझाएं कि उसने क्या गलती की, और उससे क्या नुकसान हो सकता था। उसे यह भी बताएं कि इस गलती से क्या सीखा जा सकता है।

बच्चे पर भरोसा जताएं

अगर बच्चा आपसे कुछ शेयर करता है, तो उसकी बात को ध्यान से सुनें और उसे यह भरोसा दिलाएं कि आप उस पर विश्वास करते हैं। जब बच्चों को यह महसूस होता है कि उनके माता–पिता उन पर भरोसा करते हैं, तो वे झूठ नहीं बोलते और गलत संगत से भी बचते हैं।

बच्चों के दोस्तों और उनकी हॉबीज को जानें

अगर आप चाहते हैं कि बच्चा आपके करीब रहे, तो आपको उसके दोस्तों और पसंद–नापसंद के बारे में जानना चाहिए। आप उससे बातचीत में पूछ सकते हैं कि वह किन दोस्तों के साथ समय बिताता है, उसे कौन–से म्यूजिक पसंद हैं, कौन–से गेम्स खेलना अच्छा लगता है।

रोज रात सोने से पहले कर लें ये 4 काम, 40 के बाद भी जवां दिखेगा चेहरा

जैसे–जैसे उम्र बढ़ती है, 40 पार करते ही चेहरे पर झुर्रियां, रंगत फीकी पड़ना और उम्र का असर साफ दिखने लगता है। इसे पूरी तरह रोकना मुश्किल है, लेकिन इसे धीमा जरूर किया जा सकता है। आज हम आपको कुछ सरल तरीकों के बारे में बताएंगे, जिससे उम्र का असर चेहरे पर नजर नहीं आएगा।

रात की सेहतमंद स्किन रूटीन

चेहरे की सफाई– रात को सोने से पहले चेहरे को अच्छी तरह से साफ करें। इससे डेड स्किन सेल्स निकल जाती हैं और पोर्स क्लीन होते हैं।

घी या नारियल तेल की मालिश– अगर डार्क सर्कल या झुर्रियों की समस्या हो रही हो तो सोने से पहले उंगलियों से हल्की मालिश करें। यह त्वचा को पोषण और नमी देता है।

बर्फ से मसाज– बर्फ से चेहरे पर उेंहम करने से त्वचा फ्रेश रहती है और बुढ़ापे का असर धीमा होता है।

मॉइश्चराइजर लगाएं– रात में मॉइश्चराइजर लगाने से स्किन हाइड्रेटेड रहती है और चमक बनी रहती है।

बचें इन आदतों से

केमिकल बेस्ड प्रोडक्ट्स– रासायनिक प्रोडक्ट्स चेहरे को नुकसान पहुंचा सकते हैं और उम्र का असर जल्दी दिखाते हैं। इसलिए कोशिश करें कि नेचुरल या त्वचा फ्रेंडली चीजें ही इस्तेमाल करें।

मेकअप न उतारना– कई महिलाएं रात को सोने से पहले अपना मेकअप नहीं उतारतीं। ये आदत त्वचा को नुकसान पहुंचाती है और झुर्रियों की वजह बन सकती है।

स्किन कवर न करना– बाहर निकलते समय पूर्ण स्किन कवर करना जरूरी है, इससे धूप और प्रदूषण से सुरक्षा मिलती है।

तनाव मुक्त रहें, चेहरे की चमक बनी रहे

स्टेशन के कारणरू तनाव लेने से चेहरे पर झुर्रियाँ और काले धब्बे जल्दी उभर सकते हैं।

खुश महसूस करेंरू जितना आप खुश रहेंगे, उतना ही चेहरे पर आपकी नेचुरल खूबसूरती निखर कर दिखेगी।

मन को सकारात्मक रखेंरू रोज थोड़ा समय छुट्टी–खुशी के लिए निकालें, इससे चेहरे की चमक बनी रहती है।

बुढ़ापे को पूरी तरह टालना संभव नहीं, लेकिन इसे धीमा जरूर किया जा सकता है। नियमित, साधारण लेकिन सही स्किनकेयर रूटीन से आप चेहरे की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को नियंत्रित कर सकते हैं। रात को सफाई, पोषण, तनाव नियंत्रण और स्वस्थ आदतों से आपका चेहरा ज्यादा समय तक जवान और चमकदार बना रहेगा।

छोटे बच्चे को कब्ज हो जाए तो क्या करें

छोटे बच्चों में कब्ज होना एक आम लेकिन चिंता का विषय है। जब बच्चा रोजाना मल त्याग न कर पाए या बहुत ज्यादा जोर लगाकर करे, तो यह संकेत हो सकता है कि उसे कब्ज हो गया है। बच्चे के पेट का सही तरीके से काम करना बहुत जरूरी है, क्योंकि इससे उसकी भूख, नींद और मूड सभी पर असर पड़ता है। आइए जानते हैं डॉक्टरों की सलाह के अनुसार बच्चों में कब्ज से राहत पाने के लिए क्या किया जा सकता है।

बच्चे को भरपूर तरल दें

छोटे बच्चों को कब्ज से राहत दिलाने के लिए सबसे पहले उन्हें पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ देना जरूरी होता है। यदि बच्चा 6 महीने से छोटा है और केवल मां का दूध पीता है, तो मां को खुद हाइड्रेटेड रहना चाहिए। वहीं, 6 महीने से ऊपर के बच्चों को आप उबला हुआ ठंडा पानी, पतला छाछ या थोड़ा सा नारियल पानी भी दे सकते हैं।

फाइबर युक्त आहार शुरू करें

जैसे ही बच्चा 6 महीने का हो जाए और ठोस आहार शुरू कर दे, उसमें रेशेदार (फाइबर युक्त) चीजें जरूर शामिल करें। जैसे दृ उबला हुआ मैश किया हुआ आलू, गाजर, सेब की प्यूरी, केला (पर पका हुआ), दलिया, सूजी और दाल का पानी कब्ज में राहत देते हैं।

बच्चे की पेट की मसाज करें

पेट की हल्की मसाज भी कब्ज से राहत दिला सकती है। बच्चे के पेट पर धीरे–धीरे घड़ी की दिशा में तेल से मसाज करें। इससे आंतों की गति बेहतर होती है और गैस भी निकल जाती है।

बच्चे के पैरों की एक्सरसाइज करें

छोटे बच्चों की टांगों को धीरे–ध ीरे साइकिल चलाने जैसी हरकत में हिलाना कब्ज में काफी मदद करता है। यह उनके पेट की मांसपेशियों को सक्रिय करता है और मल त्याग में सहूलियत मिलती है।

डॉक्टर से सलाह लिए बिना दवा न दें

कई माता–पिता घबराकर बिना डॉक्टर की सलाह के कब्ज की दवाएं या सपोसिटरी देने लगते हैं, जो बच्चे के लिए हानिकारक हो सकता है। अगर बच्चा 3 दिन से ज्यादा से टॉयलेट नहीं कर पा रहा है, रो रहा है, या पेट फूला हुआ है दृ तो तुरंत बाल रोग विशेषज्ञ से मिलें।

मां के खान–पान का रखें ध यान (स्तनपान कराने वाली मां के लिए)

यदि बच्चा पूरी तरह से मां का दूध पी रहा है, तो मां को अपने खाने में रेशेदार चीजें, खूब पानी, ताजे फल और दालें शामिल करनी चाहिए। मां की डाइट का सीधा असर बच्चे के पाचन पर पड़ता है। छोटे बच्चों में कब्ज की समस्या को घरेलू उपायों और संतुलित आहार से बहुत हद तक रोका जा सकता है। धैर्य और सही जानकारी के साथ आप अपने बच्चे को स्वस्थ और खुश रख सकते हैं। यदि कब्ज बार–बार होता है या गंभीर लग रहा है, तो डॉक्टर की सलाह लेना सबसे सुरक्षित तरीका है।

अवसानेश्वर मंदिर में हादसा, बिजली का तार टूटकर गिरने से मची भगदड़, दो की मौत, 38 श्रद्धालु घायल

लखनऊ, (संवाददाता)। सावन सोमवार को अवसानेश्वर मंदिर में जलाभिषेक के दौरान बिजली का तार टूटकर गिर गया, जिससे टीन

शेड में करंट उतर आया। करंट की चपेट में आने से भगदड़ मच गई। हादसे में करीब 38 श्रद्धालु घायल हो गए, जिनमें दो की मौत हो गई। थाना लोनीकटरा क्षेत्र के गांव मुबारकपुरा निवासी प्रशांत (22) और एक अन्य श्रद्धालु की मौत त्रिवेदीगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पर इलाज के दौरान हो गई। त्रिवेदीगंज सीएचसी पर कुल 10 घायलों को लाया गया, जिनमें पांच को हालत गंभीर होने पर रेफर कर दिया गया है। वहीं, हैदरगढ़ सीएचसी पर 26 घायल श्रद्धालुओं का इलाज चल रहा है, जिनमें से एक को गंभीर स्थिति में रेफर किया गया है। हादसे के बाद मंदिर परिसर और इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रशासनिक अफसर मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभालने में जुटे हैं। यह घटना कैसे हुई इसकी जांच अभी चल रही है। घटना के बाद मंदिर में आए लोग नियमित तरीके से दर्शन-पूजा कर रहे हैं। प्रशासन के अनुसार यह घटना सुबह के तीन बजे करीब की है। आम दिनों में तीन बजे इतनी भीड़ नहीं होती। सावन का सोमवार होने की वजह से भीड़ ज्यादा थी। कुछ स्थानीय लोगों के अनुसार एक बंदर के बिजली के तार पर कूदने से तार टूट गया। उस समय वहां पर तार टूटने और उसकी वजह से करंट उतर आने की बात फैल गई। करंट की बात सुनकर ही भगदड़ मच गई। हालांकि इस घटना के बाद मंदिर के हालात सामान्य हैं और लोग कतारों में खड़े होकर दर्शन-पूजा कर रहे हैं।

कोई पागल ही लखनऊ में केस दर्ज - अवधेश प्रसाद

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में मैनपुरी से सपा सांसद और पूर्व सीएम अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले मौलाना साजिद के खिलाफ लखनऊ के विभूतिखंड थाने में केस दर्ज किया गया है। इंस्पेक्टर विभूतिखंड सुनील कुमार सिंह ने सपा कार्यकर्ता चिनहट विकल्पखंड गंगोत्री लेक व्यू अपार्टमेंट निवासी प्रवेश यादव की तहरीर पर महिला की शील का अपमान करने के इरादे से किए गए शब्द, इशारा या कार्य से संबंधित बीएनएस की धारा 79 सहित अन्य कई धाराओं में रविवार को एफआईआर दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि मौलाना साजिद ने टीवी चैनल ,सार्वजनिक मंच व मीडिया में डिंपल यादव को लेकर आपत्तिजनक, अभद्र भड़काऊ व स्त्री विरोधी टिप्पणी की गई है। इससे एक महिला के सम्मान को ठेस पहुंची और देश में धार्मिक, सांप्रदायिक वैमनस्ता भड़काने का प्रयास किया गया। इंस्पेक्टर ने बताया कि केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है। डिंपल यादव पर मौलाना के बयान पर अयोध्या से सपा सांसद अवधेश प्रसाद भड़क उठे। समाचार एजेंसी ।छप से बातचीत में उन्होंने कहा कि डिंपल यादव देश की महिलाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन पर मौलाना का बयान बहुत ही घटिया और निंदनीय है। ऐसा बयान कोई पागल ही दे सकता है।

संक्षिप्त खबरें

पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी पति ने फांसी लगाकर सुसाइड किया

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में पत्नी की हत्या करने वाले आरोपी पति ने सोमवार की सुबह फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। घटना माल थाना क्षेत्र के बाजार गांव की है। गांव निवासी शराबी रवि (28) ने रविवार की सुबह 8.30 बजे कहासुनी के बाद ईंट से कूचकर पत्नी सीमा (25) की हत्या कर दी थी। इसके बाद से फरार चल रहा था। सोमवार की सुबह पड़ोसी गांव अकबरपुर के चंदन महाराज की बाग में पेड़ की डाल से पैंट-शर्ट के फंदे से लटकती उसकी लाश मिली। सुबह करीब 6.30 बजे नित्य क्रिया के लिए ग्रामीण बाग की तरफ गए थे। उन्होंने देखा तो पुलिस को सूचित किया। खबर फैली तो मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना करके घटना की जानकारी ली। शव को नीचे उतरवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बताया गया कि पत्नी सीमा के मायकेवाले अभी चंडीगढ़ से लखनऊ नहीं पहुंच पाए हैं। उनके आने पर शव का पोस्टमार्टम कराया जाएगा। इंस्पेक्टर नवाब अहमद ने बताया मौके पर जांच करके जानकारी जुटाई गई है। अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है।

बृजभूषण शरण सिंह के बाद करन और प्रतीक ने भी की सीएम योगी से मुलाकात

लखनऊ, (संवाददाता)। कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह की सीएम योगी आदित्यनाथ से मुलाकात को लेकर सियासी चर्चाओं के बीच अब उनके दोनों बेटे कैसरगंज से सांसद करण भूषण और गोंडा से विधायक प्रतीक भूषण ने भी सीएम से मिलकर नए सियासी चर्चाओं को हवा दे दिया है। दोनों सांसद पुत्र शनिवार को पांच कालीदास मार्ग पहुंचे थे और सीएम के साथ करीब आधे घंटे तक वहां रहे। सीएम के सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर इस मुलाकात की फोटो भी शेयर की गई। पूर्व सांसद और दोनों बेटों की सीएम से मुलाकात एक नए सियासी समीकरण के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल पूर्व सांसद और मुख्यमंत्री के बीच लंबे समय से बातचीत बंद थी, लेकिन चार दिन पहले अचानक बृजभूषण और सीएम की मुलाकात ने सबको चौंका दिया। मुलाकात के बाद बृजभूषण के सा हुए बयान से भी स्पष्ट हो रहा है कि अब दोनों के बीच की तल्खी कम होने लगी है। इसके बाद अब दोनों बेटे की सीएम से मुलाकात से करीब-करीब यह बात पुष्ट होती दिख रही है कि 31 महीने पहले शुरू हुई नाराजगी अब खत्म हो चुकी है। हालांकि बृजभूषण से संवाद नहीं होने के बावजूद दोनों करण भूषण और प्रतीक भूषण सीएम से मिलते रहे हैं। लेकिन इस मुलाकात के सियासी मायने इसलिए तलाशे जा रहे हैं कि इसके पीछे कोई न कई सियासी गणित जरूर है। इस मुलाकात को लेकर एक चर्चा यह भी है कि मंत्रिमंडल के विस्तार की चर्चाओं को देखते हुए बृजभूषण प्रतीक भूषण को मंत्री बनाने में जुटे हैं।

प्रदेश के इन 14 जिलों में आज भारी बारिश का अलर्ट, उत्तराखंड से सटे इलाकों में दी गई चेतावनी

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में दोबारा सक्रिय हुआ मानसून आज पश्चिमी यूपी में अपना असर दिखाएगा। मौसम विभाग की ओर से सोमवार के लिए उत्तराखंड से सटे चार जिलों सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर और बिजनौर में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं पश्चिमी यूपी के 10 अन्य जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट है। साथ ही 23 जिलों में गरज चमक के साथ बिजली गिरने की आशंका जताई गई है। रविवार को बुंदेलखंड के कुछ हिस्सों और पश्चिमी यूपी में बारिश देखने को मिली। बुंदेलखंड के ललितपुर में सर्वाधिक 78 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं बांदा में 64.4 मिमी बारिश हुई। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि सोमवार से बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर के कमजोर पड़ने के संकेत हैं। इसके बाद

मानसूनी रेखा उत्तर की ओर शिफ्ट होगी। इसके असर से मंगलवार को प्रदेश के पूर्वी और तराई में अच्छी बारिश के संकेत हैं। सहारनपुर, शामली, मुजफ्फरनगर, बागपत, मेरठ, गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, हाथरस, कासगंज, एटा, आगरा, फिरोजाबाद, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, संभल, बदायूं व आसपास के इलाकों में। राजधानी में रविवार को सुबह से ही धूप-छांव का खेल चला। घने बादलों की वजह से दिन के पारे में दो डिग्री की गिरावट आई। गोमती नगर विस्तार और शहर के बाहरी इलाकों में कहीं-कहीं छिटपुट फुहारें भी पड़ीं। शाम तक मौसम सुहाना बना रहा। वहीं, बारिश से शहर की हवा की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक सोमवार और मंगलवार को भी लखनऊ में बूंदाबांदी के संकेत हैं। बूंदाबांदी से सोमवार को पारे में एक से दो डिग्री सेल्सियस की और गिरावट के आसार हैं। रविवार को अधिकतम तापमान दो डिग्री की गिरावट के साथ 32.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

शंख बजाओ-स्कूल बचाओ आंदोलन- योगी सरकार के फैसले के खिलाफ आम आदमी पार्टी का प्रदेशव्यापी विरोध प्रदर्शन

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में 27,000 सरकारी स्कूलों को बंद किए जाने के फैसले के विरोध में आम आदमी पार्टी ने रविवार को प्रदेशव्यापी आंदोलन छेड़ दिया। "ढपोरशंखों को जगाओ, शंख बजाओदृस्कूल बचाओ" नाम से शुरू किए गए इस अनोखे अभियान के तहत पार्टी कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों, शिक्षकों, अभिभावकों और बच्चों ने जिले-जिले में बंद स्कूलों और जिला मुख्यालयों पर एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया।राजधानी लखनऊ में पार्टी ने निशातगंज क्षेत्र स्थित बंद प्राथमिक विद्यालय बजरिया पर प्रदर्शन किया, जहां शंख और थाली बजाकर कार्यकर्ताओं ने योगी सरकार के फैसले के खिलाफ रोष जताया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल की तैनाती रही और कार्यकर्ताओं के साथ नोकझोंक भी हुई। बाद में पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेते हुए उन्हें इको गार्डन पार्क ले जाया गया।प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे आम आदमी पार्टी शिक्षक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र सिंह ने कहा कि योगी सरकार शिक्षा की कीमत पर मुनाफे की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि एक ओर सरकार प्रदेश में 27,308 शराब की दुकानें खोल चुकी है, वहीं दूसरी ओर 27,000 से अधिक सरकारी स्कूलों को बंद करने की तैयारी है। यह सरकार की प्राथमिकता को साफ दिखाता है कि बच्चों की शिक्षा उसके लिए कोई मायने नहीं रखती।महेन्द्र सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ नहीं होने देगी। यह सरकार डबल इंजन नहीं बल्कि ढपोरशंखों की सरकार है, जो बच्चों को अनपढ़ बनाकर केवल वोट बैंक बनाए रखना चाहती है। इसलिए अब वक्त आ गया है कि जनता खुद आगे आए और इन ढपोरशंखों को शंख बजाकर जगाए।विरोध प्रदर्शन में शामिल निवर्तमान प्रदेश महासचिव दिनेश पटेल ने कहा कि सरकार जानबूझकर गरीब, वंचित, दलित और पिछड़े तबके के बच्चों को शिक्षा से वंचित कर देना चाहती है ताकि वे सवाल पूछने, हक मांगने और अधिकारों की बात करने लायक ही न रह सकें। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपील की कि इस तुगलकी आदेश को तत्काल वापस लिया जाए।उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी इस मसले पर किसी भी हालत में चुप नहीं बैठेगी और जब तक सरकार स्कूल बंद करने के अपने फैसले को वापस नहीं लेती, तब तक सड़कों पर संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने घोषणा की कि 2 अगस्त को लखनऊ के इको गार्डन में "स्कूल बचाओ आंदोलन" के तहत एक ऐतिहासिक प्रदर्शन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोग जुटेंगे।इस अभियान को जन आंदोलन का रूप देने के लिए आम आदमी पार्टी ने जनता से अपील की है कि वे 7500040004 नंबर पर मिस्ड कॉल देकर इस मुहिम से जुड़ें और बच्चों के रोष प्रदर्शन योगी सरकार की शिक्षा नीति के विरुद्ध एक व्यापक जन असंतोष का संकेत है। और आने वाले दिनों में इस मुद्दे पर प्रदेश की सियासत और भी गरमा सकती है।

संक्षिप्त खबरें

मेधावियों और प्रबुद्धजनों का सम्मान

लखनऊ, (संवाददाता)। सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में रविवार को विधायक आपके द्वार अभियान के तहत 129वां शिविर लगाया गया। शिविर सरोजनीनगर द्वितीय मंडल अध्यक्ष शिव शंकर विश्वकर्मा के कार्यालय पर लगा। हाईस्कूल व इंटर मीडियट परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले चार मेधावी छात्र-छात्राओं को साइकिल, घड़ी व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसमें मानसी वर्मा, मानसी गुप्ता, श्रृष्टि श्रीवास्तव व अंकित कुमार शामिल हैं। इसके अलावा इलाकाई प्रबुद्धजनों को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। ये पहल विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह की है। शिविर में सड़क, नाली, प्रधानमंत्री आवास, वृद्धावस्था पेंशन, राशन कार्ड आदि की कुल 44 शिकायतें आईं। कइयों का मौके पर ही निस्तारण किया गया तो बची शिकायतों के समाधान के लिए प्रक्रिया शुरू की गई। 80वें गर्ल्स एवं 139वें बॉयज यूथ क्लब का गठन किया गया। क्रिकेट, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, फुटबॉल, कैरम आदि खेल किट भी उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम में मंडल उपाध्यक्ष राज कपूर वर्मा, अमृता वर्मा, अखिलेश त्रिपाठी आदि शामिल हुए।

बारिश ने सुधारी हवा की सेहत, अगले दो दिन राजधानी में पड़ेंगी छिटपुट फुहारें

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी में रविवार को सुबह से ही धूप-छांव का खेल चला। घने बादलों की वजह से दिन के पारे में दो डिग्री की गिरावट आई। गोमती नगर विस्तार और शहर के बाहरी इलाकों में कहीं-कहीं छिटपुट फुहारें भी पड़ीं। शाम तक मौसम सुहाना बना रहा। वहीं, बारिश से शहर की हवा की गुणवत्ता में भी सुधार हुआ है। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के मुताबिक सोमवार और मंगलवार को भी लखनऊ में बूंदाबांदी के संकेत हैं। बूंदाबांदी से सोमवार को पारे में एक से दो डिग्री सेल्सियस की और गिरावट के आसार हैं। रविवार को अधिकतम तापमान दो डिग्री की गिरावट के साथ 32.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं रात का तापमान 2.4 डिग्री की बढ़त के साथ 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 2.2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। लखनऊ में रविवार को राजधानी के तीन वायु गुणवत्ता मापक स्टेशनों गोमती नगर, कुकरैल और तालकटोरा की हवा गहरे हरे श्रेणी में यानी काफी अच्छी रही। वहीं बीबीएयू, अलीगंज और लालबाग की हवा हरे श्रेणी में यानी सेहत के लिए अच्छी रही।

एचके इंफ्राविजन के निदेशक ने कोर्ट में किया सरेंडर

लखनऊ, (संवाददाता)। सैन्यकर्मियों से प्लॉट के नाम पर छह करोड़ से अधिक की ठगी के आरोपी एचके इंफ्राविजन के निदेशक विनोद कुमार उपाध्याय ने शनिवार को लखनऊ कोर्ट में सरेंडर कर दिया। आरोपी ने नगराम थाने में 2019 में दर्ज एनआई एक्ट के पुराने मामले में सरेंडर किया है। इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह के मुताबिक आरोपी विनोद उपाध्याय व उसके भाई प्रमोद उपाध्याय पर कई सैन्य कर्मियों से प्लॉट के नाम पर छह करोड़ से अधिक की ठगी का आरोप है।आरोपी प्रमोद ठगी की रकम पत्नी सीमा उपाध्याय के खाते में लेता था। तीनों आरोपियों पर शहर भर के विभिन्न थानों में ठगी के 43 मुकदमे दर्ज हैं। प्रमोद पर 25 हजार का इनाम घोषित था।

जींस-टीशर्ट और ओटी की ड्रेस में दिखे तो होगी कार्रवाई

लखनऊ, (संवाददाता)। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में चिकित्सा कर्मियों के जींस-टीशर्ट और ओटी की ड्रेस पहनने पर पाबंदी लगा दी गई है। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। यह आदेश संस्थान में नैक के निरीक्षण को देखते हुए किया गया है। सीएमएस डॉ. बीके ओझा की तरफ से आदेश में कहा गया है कि सभी नर्सिंग, पैरा-मेडिकल स्टाफ तथा कर्मचारी अपनी निर्धारित ड्रेस में कार्यस्थल पर उपस्थित रहेंगे। नर्सिंग में अलग-अलग श्रेणी के अधिकारियों के लिए एप्रिन निर्धारित हैं। नर्सिंग ऑफिसर तय एप्रिन पहनकर ही ड्यूटी करें। डॉक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ सफेद एप्रिन पहनकर ही ड्यूटी करें। सीएमएस के आदेश में कहा कि ओटी और आईसीयू में ड्यूटी कर रहे पैरामेडिकल व कर्मचारी ड्यूटी के बाद कपड़े बदलने के बाद ही बाहर आएं। इसी तरह सेवा प्रदाता फर्म के माध्यम से तैनात कर्मचारी अपनी फर्म की ओर से दी गई ड्रेस और आईडी कार्ड पहन कर अपने कार्यस्थल पर उपस्थित रहें।

एनएसयूआई की बैठक में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को श्रद्धांजलि, छात्र अधिकारों व भविष्य पर चर्चा

लखनऊ, (संवाददाता)। में भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम भी शामिल था। इस अवसर पर नव नियुक्त प्रभारी सुश्री देवकी पटेल ने डॉ. कलाम को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। बैठक का मुख्य एजेंडा युवाओं को संगठन से जोड़ने और एनएसयूआई को और अधिक मजबूत बनाने पर विस्तृत चर्चा करना था।बैठक को संबोधित करते हुए देवकी पटेल ने कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि वे छात्रों से जुड़े प्रत्येक मुद्दे को गंभीरता से लें और उनके हक एवं अधिकारों के लिए लगातार संघर्ष करें। उन्होंने कहा कि छात्र संगठन की भूमिका समाज में जागरूकता फैलाने और युवाओं की आवाज को मजबूती से उठाने में अहम होती है।बैठक के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में देवकी पटेल ने प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा 5000 सरकारी विद्यालयों को बंद करने के फैसले की कड़ी आलोचना की। उन्होंने बताया कि यह निर्णय समाज के गरीब, दलित और शोषित वर्ग के लिए चिंता का विषय बन गया है क्योंकि इससे उनके बच्चों के भविष्य पर गंभीर प्रभाव पड़ने का डर है। उन्होंने कहा कि इस फैसले के खिलाफ एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश के अन्य विपक्षी दलों और संगठनों के साथ मिलकर प्रदर्शन किए और न्यायालय में वाद भी दायर किया, जिसके चलते फिलहाल सरकारी विद्यालयों के मर्जिंग पर रोक लगाई गई है।देवकी पटेल ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है और भाजपा सरकार अनुसूचित जाति, जनजाति एवं पिछड़े वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति के लाभ से वंचित रख रही है, जो शिक्षा और रोजगार के अवसरों पर गंभीर प्रभाव डाल रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायालय ने वर्ष 2018 में छात्र संघ चुनाव कराने की मंजूरी दी है, लेकिन प्रदेश सरकार इसे कराने में विफल है क्योंकि सरकार को डर है कि चुने हुए छात्र नेता शिक्षा व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति, बेरोजगारी और अन्य छात्रों से जुड़े मुद्दों के खिलाफ आंदोलन कर सकते हैं।प्रेस वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष एनएसयूआई यूपी सेंट्रल अनस रहमान, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सचिन रावत, एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष आर्यन मिश्रा, सौरभ सिंह, एवं बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष तनु आर्या समेत अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

बीबीएयू अमेठी सैटेलाइट केंद्र बना ग्रामीण शिक्षा और आत्मनिर्भरता का नया केंद्र

लखनऊ, (संवाददाता)। अमेठी में स्थित बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ का सैटेलाइट केंद्र आज महज एक शिक्षण संस्थान नहीं रह गया है, बल्कि यह सामाजिक बदलाव, समान अवसर और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक प्रेरक प्रयास के रूप में उभर कर सामने आया है। यह केंद्र डॉ. बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर के उस सपने को साकार कर रहा है, जिसमें उन्होंने शिक्षा को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का आह्वान किया था।विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजकुमार मित्तल का मानना है कि अमेठी सैटेलाइट केंद्र, विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता का साक्षात उदाहरण है, जिसके जरिए वंचित और ग्रामीण तबकों तक उच्च शिक्षा एवं कौशल विकास के समान अवसर सुनिश्चित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह केंद्र न केवल शिक्षा का माध्यम बना है, बल्कि यह ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने में एक मजबूत पुल का कार्य कर रहा है। विश्वविद्यालय इसे एक उत्कृष्ट, आत्मनिर्भर और समाज से जुड़ा शैक्षणिक केंद्र बनाने की दिशा में लगातार काम कर रहा है।इस केंद्र की कार्यशैली और विकास की गति यह बताती है कि यह केवल विश्वविद्यालय की नीति का विस्तार भर नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना को भी साकार कर रहा है, जिसमें समावेशी, कौशल-प्रधान और बहुविषयक शिक्षा पर बल दिया गया है। आने वाले समय में इस केंद्र को सामुदायिक सहभागिता और कौशल सशक्तिकरण के एक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में विकसित किया जाएगा।शैक्षणिक सत्र 2025-26 में इस केंद्र में बीए अंग्रेजी, बीसीए ऑनर्स, बीए समाजशास्त्र जैसे पाठ्यक्रमों के लिए बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें राज्य के बाहर से भी विद्यार्थियों ने रुचि दिखाई है, जो इस बात का प्रमाण है कि अमेठी सैटेलाइट केंद्र अब राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुका है।शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास पर विशेष ध्यान देते हुए इस वर्ष यहाँ तीन नए पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं। इनमें फूड क्वालिटी एंड एनालिसिस में डिप्लोमा, फूड प्रोसेसिंग और बेकरी व कन्फेक्शनरी क्राफ्ट्समैनशिप में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम शामिल हैं। ये पाठ्यक्रम स्थानीय संसाधनों और उद्योग की संभावनाओं के अनुरूप बनाए गए हैं, जिससे क्षेत्रीय युवाओं को तकनीकी दक्षता और स्वरोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। निकट भविष्य में केंद्र द्वारा डेयरी टेक्नोलॉजी, हर्बल उत्पाद, ग्रामीण उद्यमिता, एग्री-बिजनेस और आईटी आधारित सेवाओं से संबंधित अन्य पाठ्यक्रम भी शुरू किए जाएंगे।अमेठी केंद्र में छात्रों के लिए स्मार्ट क्लासरूम, लड़कों और लड़कियों के लिए पृथक छात्रावास, गुणवत्तायुक्त मेस सेवा, खुले खेल परिसर, प्रयोगशालाएं, प्रशिक्षण कार्यशालाएं और नवाचार केंद्र जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं तैयार की गई हैं, जो शिक्षण प्रक्रिया को व्यवहारिकता से जोड़ने में मदद करती हैं।शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ यह केंद्र सामाजिक जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण चेतना और स्वास्थ्य सेवाओं से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम, गाँवों में कैरियर काउंसलिंग और स्वास्थ्य जांच शिविर जैसे कार्यक्रमों के जरिए यह केंद्र समाज के हर वर्ग तक अपने प्रभाव को पहुँचा रहा है।डॉ. अम्बेडकर ने कहा था, "शिक्षा वह शस्त्र है । जिससे कोई भी समाज अपनी बेड़ियों को तोड़ सकता है।" बीबीएयू का अमेठी केंद्र इसी विचारधारा को आधार बनाकर गांव-गांव, जन-जन तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के उद्देश्य से सतत प्रयासरत है।

मेंटेनेंस पर खर्च हुए पांच करोड़ और ट्रांसफार्मर को जाली तक नसीब नहीं

लखनऊ, (संवाददाता)। पावर कॉरपोरेशन ने राजधानी के ट्रांसफार्मर और उसकी एलटी लाइन पेटी के मेंटेनेंस पर अनुमानित इस साल में 5 करोड़ रुपए तक खर्च किए। मगर, तमाम ऐसे ट्रांसफार्मर और उसकी पेटी अपनी दुर्दशा को बयां कर रही कि एक साल से उनकी तरफ किसी ने झांका तक नहीं । कहीं पर ट्रांसफार्मर की फैंसी जाली टूटी पड़ी तो कहीं जाली गायब हो चुकी। जिस चबूतरे पर ट्रांसफार्मर को रखा, सुरक्षा की दृष्टि से उसकी घेराबंदी तक नहीं की गई। बिजली अव्यवस्था कि यह सच्चाई है। कार्पोरेशन प्रबंधन के निर्देश पर इसी साल फरवरी में मेंटेनेंस के नाम पर एक माह तक विशेष अभियान चलाया गया था। इस दौरान जर्जर पेटी की मरम्मत, उसके उपकरण को बदलने, पेटी की घेराबंदी और कटे-पीटे जॉइंट को सुरक्षित करने का दावा किया गया था। मगर अधिकतर इलाकों में यह मेंटेनेंस महज सरकारी कागजों पर हो गया और ट्रांसफार्मर और उसकी पेटी की दुर्दशा नहीं बदली, जिसका खामियाजा रविवार सुबह फहद ने अपनी जान देकर भुगता। अहिबरनपुर पावर हाउस से मंत्र 100 मीटर की दूरी पर फ्लावर की बाई तरफ चबूतरे पर एक ट्रांसफार्मर रखा ,उसकी दशा बता रही जितना ऑयल उसमें भर जाता उसका 10 फीसदी बह जाता है। इस ट्रांसफार्मर की मुख्य सड़क की तरफ कोई घेराबंदी नहीं है। 11,000 लाइन के तार लग्स के साथ खुले जुड़े। सड़क दुर्घटना के दौरान राहगीर इस खुले तार के संपर्क में आते ही उसकी जान चली जाएगी।

दबंगों ने ई रिक्शा चालक को पीटा, फायरिंग का आरोप

लखनऊ, (संवाददाता)। दुबग्गा में शनिवार शाम किराये के विवाद में गढ़ी बगिया गांव निवासी आहद व उसके साथियों ने भमरौली शाहपुर निवासी ई रिक्शा चालक करन को पीट दिया। बीच-बचाव में उसकी चाची व चचेरे भाई को भी पीटा गया। आरोपियों ने उसी रात गांव में तोड़फोड़ की। आहद पर तीन राउंड हवाई फायरिंग और लूट करने का भी आरोप है। दुबग्गा पुलिस ने तीन नामजद व 59 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। भमरौली शाहपुर निवासी दीपक लोधी के मुताबिक शनिवार रात मां सुनीता और भाई दीपांशु चचेरे भाई करन के साथ ई रिक्शा से दवा लेकर घर लौटी रही थीं। रास्ते में आहद भी ई रिक्शे में सवार हो गया। गांव पहुंचने पर आहद बिना किराया दिए ही जाने लगा। दीपक का आरोप है कि विरोध पर आरोपी व उसके अज्ञात साथियों ने करन को पीट दिया। बीच-बचाव करने पर दीपांशु और मां को भी पीटा। मामले की शिकायत दीपांशु ने पुलिस से की। दीपक का आरोप है कि दुबग्गा पुलिस ने आहद को पकड़ने के कुछ देर बाद बिना कार्रवाई के छोड़ दिया। इसके बाद रात करीब 11 बजे आहद, नफीस व 60 लोग गांव आ धमके। उन्होंने वाहनों के शीशे, मकान के बाहर लगा पाइप तोड़ने के साथ एक क्लीनिक में तोड़फोड़ की। आहद ने तीन राउंड हवाई फायरिंग भी की। पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी भाग निकले। पूरी रात पुलिस बल गांव में तैनात रहा। रविवार को एसीपी काकोरी शकील अहमद गांव पहुंचे और जायजा लिया। एसीपी के मुताबिक आहद, नफीस, नजर अहमद व 59 अन्य पर केस दर्ज किया गया है। नजर अहमद को गिरफ्तार किया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश में पुलिस की दो टीमें दबिश दे रही हैं।

अयोध्या धाम में श्रद्धालुओं को 332 स्थानों पर मिल रही पेयजल सुविधा

अयोध्या।सावन झूला मेला में दर्शन–पूजन एवं प्रभु राम के झूलनोत्सव का आनंद लेने के लिए रामनगरी आने वाले श्रद्धालुओं को पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए नगर निगम ने व्यापक तैयारी की है।अयोध्या धाम में 332 स्थान पर पेयजल की व्यवस्था की गई है। यहां कुल 1626 टाइप लगाए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को पेयजल के लिए इधर–उधर न भटकना

पड़े।नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने जलकल विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर पेयजल व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया है। उन्होंने बताया कि अयोध्या धाम में सभी 995 हैंडपंप तथा 322 स्टैंड पोस्ट क्रियाशील कर दिए गए हैं। इसके अलावा निगम में उपलब्ध 30 वॉटर टैंक पेयजल व्यवस्था को सुचारु बनाने में तल्लीन है।इसके अलावा अन्य निकायों से 30 वॉटर टैंक का प्रबंध किया गया है।महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने बताया कि नगर निगम का संकल्प है कि अयोध्या आने वाले श्रद्धालुओं को एक बूंद पानी खरीद कर न पीना पड़े। इसके लिए हर संभव उपाय किए जा रहे हैं। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश पांडे ने बताया कि पेयजल की व्यवस्था सावन झूला मेला के दौरान निरंतर बनी रहेगी।

नाली निर्माण में प्रयोग किया जा रहा घटिया सामग्री।

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिले के नगर पंचायत कजगांव के पानी टंकी वार्ड में नाली निर्माण कार्य चल रहा है। नागरिकों का आरोप है कि उक्त नाली का कार्य मानक के विपरित कराया जा रहा है। नाली निर्माण में प्रयोग की जा रही लाल व सफेद बालू मिक्स का फोटो ग्राफ सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। फोटो वायरल होते ही एक बार फिर नगर पंचायत कजगांव अपने कारनामा के चलते चर्चा में आ गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त नगर पंचायत के पानी टंकी वार्ड में नाली निर्माण का कार्य चल रहा है। इस नाली को पूरी तरह से मानक के विपरीत बनाया जा रहा है। नाली निर्माण कार्य में अनियमितता को देखकर बन रहे नाली का फोटो बनाकर सोशल मिडिया पर वायरल कर दिया। फोटो सोशल मिडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। बताया जाता हैं कि यह एक ऐसा नगर पंचायत है जो अपने कारनामा के चलते हमेशा चर्चा में बना रहता है। फोटो में साफ देखा जा सकता है कि किस तरह से घटिया निर्माण सामग्री का प्रयोग जमकर किया जा रहा है। मानक को ताख पर रखकर ठेकेदार इस नाली का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इस नाली निर्माण के प्रति नगर पंचायत अध्यक्ष व अधिशासी अधिकारी सहित सभी जिम्मेदार लोगों में उदासीनता बनी हुई है जो लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

संघ गैर मान्यता विद्यालयों को लेकर आंदोलन के मूड में, डॉ संजय सिंह

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। जनपद अयोध्या में तेजी से फल–फूल रहे गैर मान्यता प्राप्त व मानक विहीन विद्यालयों पर अब लगाम कसने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ, जनपद अयोध्या के जिलाध्यक्ष डॉ संजय सिंह द्वारा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री अवनीश पांडे जी को एक ज्ञापन सौंपकर इन विद्यालयों की सूची उपलब्ध कराते हुए कठोर कार्रवाई की मांग की गई है।संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. संजय सिंह और जिला मंत्री प्रेम कुमार वर्मा द्वारा हस्ताक्षरित इस ज्ञापन में बताया गया है कि जिले के विभिन्न विकासखंडों में लगभग 90 गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय अवैध रूप से संचालित हो रहे हैं, जिनमें न तो शिक्षकों की योग्यता सुनिश्चित है और न ही आवश्यक बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध हैं।ज्ञापन में इस बात पर भी चिंता जताई गई है कि पूर्व में शिक्षक संघ द्वारा शासन स्तर से प्राप्त सूचनाओं के बावजूद खंड शिक्षा अधिकारियों द्वारा उचित संज्ञान नहीं लिया गया, जिससे शिक्षा व्यवस्था की साख पर असर पड़ा है।संघ ने मांग की है कि सूची में वर्णित विद्यालयों की तत्काल जांच कराकर उन्हें बंद किया जाए तथा दोषियों के विरुद्ध 10 दिन के भीतर विधिक कार्रवाई की जाए। साथ ही यह भी चेतावनी दी गई है कि यदि कार्यवाही नहीं की गई तो संघ स्वयं आंदोलनात्मक रणनीति अपनाने को बाध्य होगा।उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने जनहित में इस कदम को आवश्यक बताते हुए शिक्षा व्यवस्था को सुधारने की दिशा में इसे एक निर्णायक पहल कहा है, साथ ही मौसम को देखते हुए विद्यालय के समय में परिवर्तन के लिए भी ज्ञापन सौंपकर विद्यालय का समय 07,30 से 12 करने का आग्रह किया है जिस पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा जिलाधिकारी से समय परिवर्तन कराने के लिए संघ को आश्वासन दिया है। ज्ञापन में प्रमुख रूप से आलोकेश रंजन रंजीत सिंह बीकापुर ब्लॉक अध्यक्ष प्रियकांत पांडे मंत्री द्वारकाधीश उपाध्याय कोषाध्यक्ष गुलाब चंद्र मिल्कीपुर ब्लॉक अध्यक्ष चन्द्र शेखर सिंह हैरिंगटनगंज ब्लॉक अध्यक्ष रंजित यादव विकास सिंह मंजेश मौर्य भास्कर यादव राज कुमार वर्मा अवनीश दुबे सुजीत सिंह विक्रम सिंह ध्रुव नारायण सिंह मौजूद रहे।

अशोभनीय टिप्पणी के विरुद्ध महिला महानगर अध्यक्ष अपर्णा जायसवाल नेता दिया नगर कोतवाली मे ज्ञापन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवादाता)

अयोध्या। मैनपुरी सांसद श्रीमती डिंपल यादव पर मौलाना साजिद रशीदी द्वारा की गई अशोभनीय टिप्पणी के विरुद्ध महिला महानगर अध्यक्ष अपर्णा जायसवाल के नेतृत्व में नगर कोतवाली मे ज्ञापन देकर मुकदमा दर्ज करने की मांग की गई।मंगलवार को समाजवादी पार्टी महिला महानगर अध्यक्ष अपर्णा जायसवाल के नेतृत्व में मैनपुरी सांसद डिंपल यादव पर की गई अशोभनीय टिप्पणी के विरुद्ध प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पांडे को ज्ञापन देकर मौलाना साजिद रशीदी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई सपा प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है।समाजवादी पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं मैनपुरी की सांसद डिंपल यादव जो सदैव महिला सशक्तिकरण,गरिमा और सम्मान की आवाज रही है।उनके विरुद्ध मौलाना साजिद रशीदी द्वारा हाल ही में एक सार्वजनिक मंच पर खुलेआम अशोभनीय अभद्र एवं आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है।यह टिप्पणी न केवल एक सम्मानित महिला सांसद का अपमान है।बल्कि समस्त महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाला है यह बात महिलाओं के प्रति दुर्भावना और असम्मान फैलाने की नीयत से जानबूझकर की गई है।जो कि भारतीय संविधान, महिला सम्मान और विधि व्यवस्था का खुला उल्लंघन है।ज्ञापन में मांग की गई की मौलाना साजिद रशीदी के विरुद्ध तत्काल प्रभाव से एफ आई आर दर्ज करते हुए उनको शीघ्र गिरफ्तारी की जाए।जिससे समाज में यह सख्त संदेश जाए कि महिलाओं के सम्मान के साथ खिलवाड़ करने वालों को कदापि बक्सा नहीं जाएगा।महानगर प्रवक्ता राकेश यादव एडवोकेट ने बताया इस मौके पर ज्ञापन देने वालों में महिला महानगर अध्यक्ष अपर्णा जायसवाल, महासचिव फामीदा कुरैशी उपाध्यक्ष पूजा वर्मा महानगर उपाध्यक्ष प्रवीण राठौर, पूनम साहू, ममता गुप्ता, रुक्मणी, दुर्गावती, साबरीन अख्तर, निशा खान आदि लोग मौजूद रहे!

डॉ शैली निगम को मिला अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लखनऊ में इनफर्टिलिटी एवं हाई रिस्क प्रेगनेंसी रिसर्च फाउंडेशन (ष्न्थ्) की कॉन्फ्रेंस का आयोजन हुआ। स्त्री रोग विशेषज्ञों की राष्ट्रीय स्तर की इस संगोष्ठी में देश के उत्कृष्ट चिकित्सकों ने भाग लिया और बांझपन व जटिल गर्भावस्था के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की स इस कॉन्फ्रेंस में जौनपुर की जानी मानी वरिष्ठ प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ शैली निगम को भी आमंत्रित किया गया स उन्हें बांझपन एवं जटिल

गर्भावस्था के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए श अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस श से नवाजा गया। कॉन्फ्रेंस की मुख्य संयोजिका लखनऊ की डॉ राजुल त्यागी ने डॉ शैली के कार्यों की सराहना की स जौनपुर प्रसूति एवं स्त्री रोग संघ (जौग्स) की चिकित्सकों ने डॉ शैली को बधाई दी। उन्हें मिले इस सम्मान को संस्था एवं जौनपुर के लिए गर्व का विषय बताया।

अगर बिना हेलमेट व तीन सवारी बिठाये ट्रैफिक चौराहा किया पार तो चालान तय

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। 1 जुलाई से 28 जुलाई के बीच शहर की विभिन्न चौराहा पर लगे ट्रैफिक लाइटों की मदद से 10,839 चार पहिया तथा दो पहिया वाहनों का ई चालान किया गया। इसमें सबसे अधिक 4954 बिना हेलमेट लगाए हुए वाहन चालकों तथा बाइक पर तीन सवारी बिठाये 584 वाहन चालकों के खिलाफ चालान किया गया।इस संबंध में आई टी एम एस तथा यातायात पुलिस विभाग के अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न चौराहों पर लगे ट्रैफिक लाइटों के ना जलने पर प्रायः वाहन चालक इन चौराहों को पार करते समय यह समझते हैं कि इन चौराहों पर लाल नीली बत्ती नहीं जल रही है जिसके चलते चालान नहीं होगा।जबकि इन अधिकारियों ने बताया पीली बत्ती जलने का मतलब है कि अगर कोई भी बिना हेलमेट तथा तीन सवारी उसे चौराहे से जाते इस सिग्नल के बीच पाया गया तो ऑटोमेटिक ई चालान हो जाएगा।जिसके चलते इस महीने सबसे अधिक 5538 ई–चालान बिना हेलमेट तथा तीन सवारी के वाहनों के खिलाफ हुआ है।यातायात विभाग की माने तो इसके अलावा इस महीने वाहन चलाते समय अभी तक मोबाइल पर बात करने वाले 67,सीट बेल्ट का प्रयोग न करने पर 92,ओवर स्पीड वाहन

चलाने पर वाले 309, बिना ड्राइविंग लाइसेंस के 584,नो पार्किंग पर 2864 वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही की गई।शेष 1612 अन्य धाराओं में वाहन चालकों के खिलाफ कार्यवाही इस महीने अभी तक हुई है।आईटीएमएस विभाग के मुताबिक इस समय अयोध्या कैंट तथा अयोध्या धाम में कुल लगभग 20 जगह पर ट्रैफिक लाइट के माध्यम से यातायात पर नियंत्रण किया जा रहा है।जो भी वाहन चालक यातायात नियमों की अनदेखी करते हुए पाया जा रहा है तो संबंधित विभाग द्वारा उन पर कार्यवाही की जा रही है।बताते चले इस समय शहर के गुदडी बाजार,रिकाबगंज चौराहा,सिविल लाइन चौराहा, पोस्ट ऑफिस चौराहा, पुलिस लाइन चौराहा,पुष्पराज चौराहा, शांति चौक, रायबरेली बाइपास, सहादतगंज बाईपास चौराहा,सहादतगंज, हनुमानढी,गुरु गोबिंद सिंह, डीएम आवास,देवकाली तिराहा,देवकाली बाईपास, साकेत पेट्रोल टंकी चौराहा,हनुमान गुफा,नया घाट,श्री राम अस्पताल,टेढ़ी बाजार, उदया चौराहा सहित 20 स्थानों पर ट्रैफिक लाइट लगी हुई है।इस संबंध में आईटीएमएस व यातायात विभाग के अधिकारियों ने वाहन चालकों से अपील किया कि वे यातायात नियमों का पालन करे।खासकर दो पहिया वाहन चालक वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करे व तीन सवारी कतई न बिठाये।

अमान्य स्कूलों पर पहुचे थानाध्यक्ष के साथ पहुचे बीईओ, मचा हड़कंप

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। सिकरारा थाना अंतर्गत शिक्षा विभाग के अधिकारी और थानाध्यक्ष की टीम ने मंगलवार को पांच विद्यालयों पर जाकर औचक निरीक्षण किया तो अमान्य स्कूलों के संचालकों में हड़कंप मच गया। टीम ने जांच पाया कि मान्यता आठ तक और कक्षाएं इंटर तक संचालित थी। एक विद्यालय ऐसा भी मिला जो जांच के भय से अपने विद्यालय के ऑफिस और कक्षाओं को अंदर से ही बंद कर लिया। टीम ने दो स्कूलों को बंद कराया और तीन स्कूलों को नोटिस देकर चेतावानी दिया कि अगर अब विद्यालय संचालित मिला तो उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने के साथ साथ एक लाख रुपए का जुर्माना भरना होगा। टीम के निरीक्षण से अमान्य स्कूल चलाने वालो में हड़कंप मचा है। खंड शिक्षा अधिकारी अजीत कुमार सिंह और थाना प्रभारी उदय प्रताप सिंह की टीम सबसे पहले ताहिरपुर गांव में सर्वोदय जूनियर हाईस्कूल पर पहुंचे। वहां जांच में पता चला कि उक्त स्कूल में मान्यता कक्षा आठ तक है और कक्षाएं हाईस्कूल तक संचालित है। खंड शिक्षा अधिकारी ने ऊपरी कक्षाओं के अध्ययन कर रहे छात्रों को मान्यता न होने की जानकारी देकर उन्हें अन्यत्र मान्यता वाले स्कूल में पढ़ने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय संचालक को हिदायत दिया अगर फिर कभी जांच में ऐसा मिला तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहा से टीम एस एस पब्लिक स्कूल भरथीपुर पहुंची वहां कक्षा आठ तक मान्यता था। सूचना थी कि वहां ऊपरी कक्षाएं भी संचालित होती है। मौके पर टीम को ऊपरी कक्षाओं के बच्चे नहीं मिले। बीईओ ने ऊपरी कक्षाएं न संचालित हो इसके लिए प्रधानाध्यापक को हिदायत दी। टीम वहां से विजय पब्लिक स्कूल आफ सिकंदरा पहुंची। खंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि टीम वहां पहुंची तो विद्यालय के सभी कमरे अंदर से बंद थे। आवाज दिया गया पर कोई बाहर नहीं निकल रहा था। खिड़की से झांककर देखा गया तो अंदर बच्चे पढ़ रहे थे। लगभग पंद्रह मिनट बाद दरवाजा खुला। वहां कक्षा आठ तक मान्यता है पर कक्षाएं हाईस्कूल व इंटर तक संचालित पाया गया। उन्होंने बताया कि उक्त विद्यालय के संचालक को नोटिस दिया गया है। बताया कि विद्यालय संचालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। और अगर फिर भी मान्यता से अलग कोई कक्षाएं संचालित मिली तो एक लाख का जुर्माना लगाया जाएगा। इसके अतिरिक्त दो अन्य अमान्य विद्यालयों को जानकारी हुई तो वे पहले से ही बंद मिले। बीईओ ने बताया कि ब्लाक में 11 अमान्य स्कूलों की सूची प्राप्त हुई है। उन सबको नोटिस पहले से ही दे दिया गया था निर्देशित किया गया है कि अमान्य कक्षाओं का संचालन तत्काल बंद कराकर बच्चों को दूसरे स्कूलों में पंजीकृत कराया जाए, अन्यथा एक लाख रुपए जुर्माना किया जाएगा।

सांसद डिम्पल यादव पर की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में सपा महिला मोर्चा ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कलेक्ट्रेट परिसर में समाजवादी पार्टी की महिला जिलाध्यक्ष शर्मिला रमेश यादव के नेतृत्व में मंगलवार को सैकड़ों सपा कार्यकर्ताओं ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन मैनपुरी की सांसद डिम्पल यादव पर की गई अभद्र टिप्पणी के विरोध में दिया गया। शर्मिला रमेश यादव ने बताया कि समाजवादी पार्टी की वरिष्ठ नेता एवं मैनपुरी की सांसद डिम्पल यादव सदैव महिला सशक्तिकरण, गरिमा और सम्मान की आवाज रही हैं। उनके विरुद्ध मौलाना साजिद रशीदी द्वारा हाल ही में एक सार्वजनिक मंच पर अशोभनीय, अभद्र और आपत्तिजनक टिप्पणी की गई है।

उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी न केवल एक सम्मानित महिला सांसद का अपमान है, बल्कि समस्त महिलाओं के सम्मान को ठेस पहुंचाने वाली है। यह महिलाओं के प्रति दुर्भावना और असम्मान फैलाने की नीयत से की गई है। सपा कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि मौलाना साजिद रशीदी के विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाए। साथ ही उनकी शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित की जाए। इससे समाज में यह सख्त संदेश जाएगा कि महिलाओं के सम्मान के साथ खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। इस अवसर पर तारा त्रिपाठी, राजकुमारी, सीमा यादव, नीरा यादव, पूनम यादव, सुशीला यादव, रेखा सिंह, सोनी यादव, शिवांगी यादव सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किसान नेता अजीत सिंह डोभी को पुलिस ने किया हाउस अरेस्ट

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । किसान नेता अजीत सिंह डोभी को पुलिस ने सोमवार देर रात से हाउस अरेस्ट कर दिया है। इनकी सुरक्षा में 2 दर्जन से अधिक पुलिस वालों का पहरा लगाया गया है। किसान नेता अजीत सिंह किसानों के मुआवजे की समस्या के मुद्दों को प्रधानमंत्री जी के सामने उठाने वाले थे।अजीत सिंह एक सप्ताह पहले किसानों के मुआवजा की समस्या ,नहर में पानी की समस्या जौनपुर में बिजली की समस्या अधूरी सड़क पर टोल टैक्स वसूली की समस्या को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में सैकड़ों किसानों के साथ प्रदर्शन किया था और प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा था।ज्ञापन में प्रधानमंत्री से मिलकर किसानों की समस्याओं को अवगत कराये जाने की चेतावनी दिया था।

श्रावण में बाबा सिद्धनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की पूरी होती मनोकामनाएं

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

हरदोई से करीब 21 किमी. की दूरी पर हरदोई–शाहजहांपुर मार्ग पर मियांपुर ग्रामसभा के राजस्व ग्राम हुसेनापुर धौकल में स्थापित इस सिद्धनाथ बाबा मंदिर पर आने वाले हर श्रद्धालु की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।यह मंदिर हरदोई–शाहजहांपुर मुख्य मार्ग एवं मियांपुर गांव से करीब डेढ़ किमी. दूरी पर स्थित है।तथा रेल मार्ग के टोडरपुर स्टेशन से करीब एक किमी.की दूरी पर है।सावन में तो यहां सुदूर क्षेत्रों से भक्त आते ही हैं।वैसे भी सामान्य दिनों में मुंडन,जन्मदिन, रुद्राभिषेक आदि के लिए भी महिलाओं ,पुरुषों ,बच्चों का यहां आवागमन होता रहता है। शिव सत्संग मंडल आश्रम,हुसेनापुर धौकल(टोडरपुर) स्थित सिद्धनाथ बाबा मंदिर के विषय में मण्डल के संस्थापक सदस्य अम्बरीष कुमार ने बताया कि यह शिवालय वर्ष 1993 में तत्कालीन ग्राम प्रधान हरिकरण, तहसीलदार मनमोहन सक्सेना,उपजिलाधिकारी रामकृपाल श्रीवास्तव एवं संत श्रीपाल के संयुक्त प्रयास से स्थापित किया गया।तब यहां की भूमि ऊसर बंजर थी।लेकिन जब से शिव भक्तों,कांवरियों ने यहाँ आना जाना शुरू किया तथा भगवान शंकर की उपासना शुरू की।पूरे क्षेत्र का वातावरण ही आध्यात्मिक हो गया।सब तरफ हरियाली ही हरियाली हो गई।तब यहां महात्मा बोदिलदास एक झोपड़ी में रहते थे।शनैः शनैः भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होने लगीं।जिससे विशेषकर हर सोमवार को सत्संगीजनों ,शिव उपासकों की संख्या बढ़ी।और फिर हर माह की पहली तारीख को भक्तों व संतों का समागम होने लगा।

मंदिर की निगरानी व व्यवस्था की देखभाल करने वाले शिव सत्संग मण्डल के मंडलाध्यक्ष आचार्य अशोक बताते हैं कि आश्रम व मंदिर परिसर में संतों भक्तों के लिए भंडारा व्यवस्था एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था प्रसाद के साथ रहती है।उनका कहना है कि शिव की उपासना सभी वर्गों व संप्रदायों के लिए शुभ और कल्याणकारी है।सिद्ध नाथ बाबा मंदिर के पुजारी महात्मा शांतानंद कहते हैं कि शंकर भगवान की पूजा अर्चना तो वर्षभर होती है।परंतु श्रावण माह में भक्तों की आस्था, श्रद्धा, विश्वास देखते ही बनता है।भक्तों के विश्राम और सत्संग के लिए अलग मंडलाध्सत्संग स्थल एवं साधना स्थल बना हुआ है।प्रतिदिन ब्रह्ममुहूर्त से ही मंदिर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिया जाता है।ताकि किसी भक्त को कोई असुविधा न हो।शिव शिव बोलो, निर्भय डोलो,सत्यम शिवम् सुंदरम एवं जय शिव का उद्घोष वातावरण भक्तिमय बनाता है।

हरदोई के खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी प्रतियोगिता में चयन

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना) राष्ट्रीय स्तर पर जिले का गौरव बढ़ाते हुए हरदोई के केंद्रीय विद्यालय के खिलाड़ियों का चयन आगामी राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जो 2 अगस्त से 6 अगस्त 2025 तक आयोजित होगी। चयनित खिलाड़ियों में देव मिश्रा, स्वतंत्र पाल, प्रणव पांडे, मोहम्मद अब्दुल्ला, सोमल, हर्षित वर्मा, अंश शर्मा, शिवेंद्र कुमार, उत्कर्ष सिंह, आयुषी पाल, अभय पाल और आर्य सिंह शामिल हैं। प्रतियोगिता की तैयारी हेतु 10 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर का आयोजन पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, हरदोई में किया गया। इस कैंप में वरिष्ठ कोच देवेश मिश्रा को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने खिलाड़ियों को प्रतिदिन कबड्डी के नियम, रणनीतियाँ और तकनीकी कौशल सिखाए। साथ ही, अभ्यास के माध्यम से खिलाड़ियों की कमियों की पहचान कर उन्हें सुधारने पर विशेष ध्यान दिया।

शिविर के संचालन में विद्यालय के मुख्य शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षक तथा कोच नवींद्र की अहम भूमिका रही, जो चयनित टीम को प्रतियोगिता स्थल बेंगलुरु तक लेकर जाएंगे। इस प्रशिक्षण में विद्यालय के सीनियर अंडर–17 कबड्डी खिलाड़ियों विशाल यादव और उत्कर्ष यादव ने भी सक्रिय सहयोग प्रदान किया। साथ ही प्रधानाचार्य मो राशिद, इलियास अहमद एवं सुनील कुमार ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिला पत्रकार स्थायी समिति की बैठक

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में आज जिला पत्रकार स्थाई समिति की बैठक कलेक्ट्रेट कक्ष में संपन्न हुई जिसमें पत्रकार बंधुओ द्वारा विभिन्न मुद्दों पर अपनी बातें रखी गई जिनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई करने हेतु जिलाधिकारी ने जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार को निर्देश दिया। पत्रकार बंधुओ ने सूचना संकुल के निर्माण का मुद्दा उठाया ।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9415034002
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।